दैनिक
विश्वनाथ समाचार
RNI NO. MPHIN/25/A4357
संदीप परमार (सेन)
(प्रधान संपादक)
मो. 9755161156
www.vishwanathsamachar.com | इंदौर, बुधवार 11 नवम्बर 2026 | वर्ष 1 | कुल पृष्ठ : 8 | DIGITAL EDITION

चमका देपालपुर

देश के स्वच्छता मानचित्र पर चमका देपालपुर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी सम्मानित

इंदौर-देपालपुर की जोड़ी देश के टॉप-3 में

कभी स्वच्छता रैंकिंग में काफी पीछे रहने वाला देपालपुर अब राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करेगा अपनी पहचान, 'स्वच्छ शहर जोड़ी' पहल में ऐतिहासिक प्रदर्शन; 1250 मीट्रिक टन पुराने कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निष्पादन, चार श्रेणियों में कचरा पृथक्करण और शत-प्रतिशत डोर-टू-डोर कलेक्शन ने बदली शहर की तस्वीर

इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव के मार्गदर्शन और विधायक मनोज पटेल की विशेष रुचि एवं सक्रिय पहल से अभियान को मिला संबल, 11 नवंबर को विज्ञान भवन नई दिल्ली में राष्ट्रपति के हाथों मिलेगा राष्ट्रीय सम्मान



संदीप परमार (सेन)
प्रधान संपादक-9755161156
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com


पुष्पमित्र भार्गव महापौर इंदौर


मनोज पटेल विधायक देपालपुर

इंदौर। स्वच्छता के क्षेत्र में देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाले इंदौर की उपलब्धियों में अब देपालपुर का नाम भी राष्ट्रीय स्तर पर जुड़ने जा रहा है। कभी स्वच्छता की रैंकिंग में काफी पीछे रहने वाला देपालपुर आज देश के स्वच्छता मानचित्र पर अपनी नई पहचान कायम करने की ओर अग्रसर है। केंद्र सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 और स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत शुरू की गई महत्वाकांक्षी 'स्वच्छ शहर जोड़ी' पहल में इंदौर और देपालपुर की जोड़ी ने देश के शीर्ष तीन प्रदर्शनकारी समूहों में स्थान बनाया है।

इस राष्ट्रीय उपलब्धि पर 11 नवंबर को नई दिल्ली के प्रतिष्ठित विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में देश की राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

यह उपलब्धि देपालपुर के इतिहास में स्वच्छता और नगरीय प्रशासन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज होने जा रही है। यह सम्मान इसलिए भी विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह केवल साफ-सफाई तक सीमित उपलब्धि नहीं है, बल्कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, कचरे का स्रोत पर पृथक्करण, घर-घर संग्रहण, पुराने कचरे का वैज्ञानिक निष्पादन, नागरिक सहभागिता, संसाधनों के पुनर्चक्रण और शहरी व्यवस्थाओं में किए गए सुधारों की राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान है। छोटे नगरों को बड़े और बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों से जोड़कर उनकी कार्यप्रणाली में सुधार लाने की केंद्र सरकार की परिकल्पना में देपालपुर ने उल्लेखनीय परिणाम प्रस्तुत किए हैं।

क्या है 'स्वच्छ शहर जोड़ी' पहल, कैसे बदली देपालपुर की तस्वीर?

केंद्र सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने सितंबर 2025 में 'स्वच्छ शहर जोड़ी' कार्यक्रम शुरू किया था। इसका मूल उद्देश्य स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शहरों को मेंटर (मार्गदर्शक) तथा अपेक्षाकृत छोटे शहरों को मेंटी (सहयोगी) के रूप में जोड़ना है। इसके माध्यम से बड़े शहरों की तकनीकी विशेषज्ञता, कार्यप्रणाली, प्रबंधन व्यवस्था और सफल प्रयोगों को छोटे नगरीय निकायों तक पहुंचाना है।

इस पहल के तहत मेंटर और मेंटी शहरों के बीच आपसी समन्वय, तकनीकी प्रशिक्षण, मैदानी निरीक्षण, कार्ययोजनाओं का आदान-प्रदान तथा सफल मॉडलों को लागू करने पर जोर दिया गया। केंद्र सरकार की 9 नवंबर 2026 की आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस कार्यक्रम में 33 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के 70 मेंटर शहर और 191 मेंटी शहर शामिल रहे हैं। इसी राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत देश के स्वच्छता क्षेत्र में अग्रणी इंदौर नगर निगम को देपालपुर नगर परिषद का मार्गदर्शक बनाया गया। इंदौर की स्वच्छता प्रबंधन प्रणाली, कचरा संग्रहण, पृथक्करण और वैज्ञानिक निपटान की व्यवस्थाओं का अनुभव देपालपुर में लागू करने की दिशा में काम किया गया। इंदौर नगर निगम और देपालपुर नगर परिषद के बीच समन्वय ने इस अभियान को नई गति प्रदान की।

1250 मीट्रिक टन पुराने कचरे का वैज्ञानिक निष्पादन, बना सबसे बड़ा बदलाव

देपालपुर की इस उपलब्धि के पीछे सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में वर्षों से जमा पुराने कचरे के पहाड़ का वैज्ञानिक तरीके से निष्पादन शामिल है। नगर के डंपसाइट पर करीब पांच वर्षों से एकत्रित लगभग 1250 मीट्रिक टन पुराने कचरे का निस्तारण कर उसे पूरी तरह समाप्त किया गया। केंद्र सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) ने 31 अगस्त 2026 को जारी अपनी आधिकारिक रिपोर्ट में देपालपुर के इस कार्य को 'मिशन जीरो' के अंतर्गत उल्लेखनीय उपलब्धि बताया है। इस अभियान में इंदौर नगर निगम के 500 से अधिक रैगपिकर्स (कचरा बीनने वाले श्रमिकों) को लगाया गया। देपालपुर नगर परिषद की ओर से डंपर, जेसीबी और लोडर जैसी भारी मशीनरी उपलब्ध कराई गई। इसके बाद डंपसाइट पर जमा पुराने कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में छांटकर उसका वैज्ञानिक प्रबंधन किया गया। इस प्रक्रिया में लगभग 4.5 मीट्रिक टन प्लास्टिक, धातु और कांच जैसी पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को अलग कर अधिकृत रिसाइक्लर्स तक पहुंचाया गया। वहीं लगभग 50 से 60 मीट्रिक टन रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल (RDF) को इंदौर स्थित नेपरा प्लांट भेजा गया, जहां उसकी प्रोसेसिंग के बाद सीमेंट कारखानों में को-प्रोसेसिंग के लिए भेजा गया। इस प्रकार कचरे को केवल हटाने के बजाय उसके उपयोगी अंशों का पुनर्चक्रण और शेष का वैज्ञानिक निपटान सुनिश्चित किया गया।

डंपसाइट का निष्पादन

पूरा होने के बाद वहां 200 पौधों का रोपण भी किया गया

जिस स्थान पर वर्षों तक कचरे का ढेर लगा रहता था, उसे भविष्य में नागरिक गतिविधियों और सार्वजनिक उपयोग के स्थान के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई है। केंद्र सरकार की आधिकारिक रिपोर्ट में देपालपुर को 'स्वच्छ शहर जोड़ी' पहल के अंतर्गत जीरो लेगेसी वेस्ट हासिल करने वाला पहला शहर भी बताया गया है। यह उपलब्धि देपालपुर के राष्ट्रीय सम्मान का एक महत्वपूर्ण आधार बनी है।

घर-घर कचरा संग्रहण से चार श्रेणियों में पृथक्करण तक, व्यवस्था में हुआ बदलाव



स्वच्छता के तकनीकी मानकों पर देपालपुर में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को मजबूत किया गया

घरों से निकलने वाले कचरे को नियमित रूप से एकत्रित करने के साथ ही उसे चार अलग-अलग श्रेणियों में पृथक करने की व्यवस्था विकसित की गई। इसका उद्देश्य गीले, सूखे और अन्य प्रकार के कचरे को एक साथ मिलाकर डंप करने की पुरानी व्यवस्था से बाहर निकलना तथा प्रत्येक श्रेणी के कचरे का उचित प्रबंधन करना रहा। केंद्र सरकार की रिपोर्ट के अनुसार घर-घर कचरा संग्रहण में शत-प्रतिशत कवरेज हासिल करने के बाद अभियान का अगला प्रमुख लक्ष्य पुराने कचरे के वैज्ञानिक निपटान पर केंद्रित किया गया। इससे स्वच्छता व्यवस्था को केवल सड़क और सार्वजनिक स्थलों की सफाई तक सीमित न रखते हुए संपूर्ण अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली से जोड़ा गया। नगर में मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) को बेहतर बनाने, संग्रहित कचरे की छंटाई और उपयोगी सामग्री को पुनर्चक्रण के लिए भेजने की दिशा में भी कार्य किया गया। इसके साथ ही सफाई व्यवस्था के लिए संसाधनों और वाहनों में सुधार, विभागीय समन्वय तथा निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने के प्रयास हुए।

शेष खबर पृष्ठ क्रमांक 2 पर पढ़े

दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, बुधवार 11 नवम्बर 2026

शेष खबर पृष्ठ क्रमांक 1 की

सर्वेक्षण के तकनीकी मानकों पर खरा उतरने की चुनौती

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के दसवें संस्करण में नगरीय निकायों का मूल्यांकन केवल दिखाई देने वाली सफाई के आधार पर नहीं किया गया। केंद्र सरकार के अनुसार इस बार 10 प्रमुख मूल्यांकन क्षेत्रों के अंतर्गत 43 अलग-अलग संकेतकों पर शहरों की व्यवस्थाओं का परीक्षण किया गया। इनमें कचरे का पृथक्करण, संग्रहण एवं परिवहन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सार्वजनिक स्थलों की दृश्य स्वच्छता, स्वच्छता सुविधाओं की उपलब्धता, मल-कीचड़ प्रबंधन की मशीनीकृत व्यवस्था, संस्थागत क्षमता, प्रयुक्त जल प्रबंधन, स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता, सफाई कर्मचारियों का कल्याण, नागरिकों की प्रतिक्रिया और शिकायतों के निराकरण जैसे महत्वपूर्ण बिंदु शामिल रहे। देशभर में 3000 से अधिक प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्ताओं ने मैदानी स्तर पर निरीक्षण किया। मूल्यांकन प्रक्रिया में रियल टाइम जीपीएस आधारित निगरानी, डिजिटल साक्ष्य प्रस्तुत करने और उनके सत्यापन की व्यवस्था अपनाई गई। ऐसे में देपालपुर की उपलब्धि को केवल सफाई अभियान की सफलता नहीं, बल्कि विभिन्न व्यवस्थागत और तकनीकी मानकों पर हुए सुधार के रूप में देखा जा रहा है।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव का मार्गदर्शन, विधायक मनोज पटेल की सक्रिय पहल ने अभियान को दी दिशा

देपालपुर की इस राष्ट्रीय उपलब्धि में इंदौर के महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही है। इंदौर की स्वच्छता व्यवस्था को देशभर में स्थापित करने के अनुभव का लाभ देपालपुर तक पहुंचाने, नगर परिषद को तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने और इंदौर नगर निगम की टीम के साथ समन्वय स्थापित करने में उनके मार्गदर्शन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं देपालपुर के विधायक श्री मनोज पटेल की इस अभियान में व्यक्तिगत रुचि, लगातार प्रोत्साहन और नगर के विकास एवं स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने की पहल भी उल्लेखनीय रही। देपालपुर को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से स्वच्छता अभियान को प्राथमिकता देने तथा संबंधित जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक तंत्र के बीच समन्वय बनाए रखने के प्रयासों ने इस दिशा में सकारात्मक वातावरण तैयार किया। यह उपलब्धि इस बात का उदाहरण है कि जब स्थानीय जनप्रतिनिधियों की विकास के प्रति प्रतिबद्धता, बड़े शहर का तकनीकी मार्गदर्शन और स्थानीय प्रशासन की कार्यक्षमता एक साथ मिलती है, तब छोटे नगर भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर सकते हैं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक मनोज पटेल के मार्गदर्शन एवं सहयोग से आगे बढ़े इस अभियान को देपालपुर की नगर परिषद टीम ने मैदानी स्तर पर परिणामों में बदलने का काम किया। इस लिहाज से यह सम्मान जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व, प्रशासनिक समन्वय, स्वच्छता कर्मियों की मेहनत और नागरिक सहभागिता का सामूहिक परिणाम है।

कभी 1710वीं रैंक, अब राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान की दहलीज पर

देपालपुर की इस उपलब्धि का महत्व समझने के लिए इसके पिछले प्रदर्शन पर नजर डालना भी जरूरी है। प्रकाशित सर्वेक्षण संबंधी रिपोर्ट के अनुसार पिछली स्वच्छता रैंकिंग में देपालपुर को 1710वीं रैंक प्राप्त हुई थी। इसके बाद इंदौर के साथ मेंटर-मेंटी साझेदारी और नगर स्तर पर किए गए सुधारों के परिणामस्वरूप इस बार देपालपुर ने उल्लेखनीय छलांग लगाई। प्रकाशित जानकारी के अनुसार 20 हजार आबादी वाले शहरों की श्रेणी में भी देपालपुर ने पहला स्थान हासिल किया है। इस बदलाव को केवल रैंकिंग में सुधार के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह नगर की सफाई व्यवस्था, संसाधन प्रबंधन, पुराने कचरे के निपटान और प्रशासनिक कार्यप्रणाली में आए व्यापक परिवर्तन को दर्शाता है।राष्ट्रपति के सम्मान समारोह में शामिल होने दिल्ली पहुंचा नगर परिषद का प्रतिनिधिमंडल

11 नवंबर को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में शामिल होने के लिए देपालपुर नगर परिषद का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली पहुंच चुका है। समारोह में देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26



के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं और 'स्वच्छ शहर जोड़ी' पहल के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शहरों को सम्मानित किया जाएगा। दिल्ली पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती अनीतापुरी गोस्वामी, उपाध्यक्ष श्री गोपाल कटेसरिया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री बहादुर सिंह रघुवंशी, सहायक यंत्री श्री नीरज गुप्ता, स्वच्छता उपनिरीक्षक श्री शैलेश कुराड़िया, लेखापाल श्री मनोहर पवार, सहायक उपयंत्री श्री उमेश परमार तथा एमआईएस एक्सपर्ट श्री कुणाल सोलंकी शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल देपालपुर की ओर से राष्ट्रीय मंच पर नगर का प्रतिनिधित्व करेगा। राष्ट्रपति के हाथों मिलने वाला सम्मान नगर परिषद के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, सफाई मित्रों और स्वच्छता अभियान में सहयोग देने वाले नागरिकों के लिए गौरव का विषय होगा।

देपालपुर के लिए सम्मान के साथ नई जिम्मेदारी भी



राष्ट्रीय स्तर पर मिलने वाला यह सम्मान देपालपुर के लिए उपलब्धि के साथ भविष्य की जिम्मेदारी भी लेकर आ रहा है। अब सबसे बड़ी चुनौती इस उपलब्धि को स्थायी बनाए रखने की होगी। घर-घर कचरा संग्रहण, स्रोत पर कचरे का पृथक्करण, पुराने कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन, मटेरियल रिकवरी सेंटर का प्रभावी संचालन, सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई और नागरिक सहभागिता को निरंतर बनाए रखना आवश्यक होगा। स्वच्छता की यह उपलब्धि यह भी संदेश देती है कि देश में छोटे नगरों के विकास के लिए बड़े शहरों की विशेषज्ञता और स्थानीय निकायों की सक्रियता को जोड़ना कितना प्रभावी हो सकता है। इंदौर ने मार्गदर्शक की भूमिका निभाई और देपालपुर ने उस मार्गदर्शन को जमीन पर उतारकर परिणाम प्रस्तुत किए। अब राष्ट्रपति के हाथों मिलने वाला राष्ट्रीय सम्मान देपालपुर को देशभर में एक नई पहचान देने जा रहा है। यह केवल एक नगर परिषद का पुरस्कार नहीं, बल्कि छोटे शहरों के लिए एक प्रेरक उदाहरण है कि मजबूत नेतृत्व, तकनीकी सहयोग, बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था और सामूहिक जनभागीदारी से परिवर्तन की नई इबारत लिखी जा सकती है।



मानपुर फोरलेन पर अवैध लकड़ी से भरा पिकअप वाहन जब्त, चालक फरार



वन विभाग की टीम ने गश्त के दौरान बग्गड़ के पास की कार्रवाई, सागौन की जगह खैर की लकड़ी मिलने का उल्लेख

धार। वन मंडल धार की टीम ने अवैध लकड़ी परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मानपुर फोरलेन पर एक पिकअप वाहन जब्त किया है। वाहन में देशी प्रजाति की खैर की लकड़ी भरी हुई थी। वन विभाग की टीम को देखकर वाहन चालक मौके पर ही वाहन छोड़कर फरार हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वन मंडल अधिकारी धार श्री विजयानंतम टी.आर. एवं उप वन मंडल अधिकारी के मार्गदर्शन में वन विभाग का अमला क्षेत्र में गश्त कर रहा था। इसी दौरान 9 नवंबर को मानपुर फोरलेन पर बग्गड़ के पास मध्यप्रदेश पंजीयन क्रमांक MP13-ZZ-4463 का एक सफेद रंग का पिकअप वाहन संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया।वन विभाग की टीम ने वाहन की जांच की तो उसमें खैर की लकड़ी भरी हुई मिली। कार्रवाई के दौरान चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। इसके बाद वन विभाग की टीम ने पिकअप वाहन को जब्त कर वन परिक्षेत्र कार्यालय धार पहुंचाया।

वन परिक्षेत्र अधिकारी धार श्री प्रभुराम मुंडला के अनुसार, मामले में मध्यप्रदेश अभिवहन वनोपज परिवहन नियम, 2022 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी गई है। वन विभाग द्वारा अवैध वनोपज परिवहन के विरुद्ध लगातार निगरानी रखी जा रही है। इस कार्रवाई में वन विभाग के मैदानी अमले की सराहनीय भूमिका रही।

ग्राम बंजली में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया गया

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

रतलाम। ग्राम बंजली में शासकीय भूमि सर्वे नंबर 245 पर बोल्डर डालकर किए जा रहे अतिक्रमण की शिकायत प्राप्त होने पर जिला प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। मौके पर पहुंचकर शासकीय भूमि पर किए जा रहे अतिक्रमण को हटाया गया। तहसीलदार श्री आशीष उपाध्याय ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

संगीत की सुरमयी साधना में गूंजा अध्यात्म,प्रेम, शांति और भाईचारे का संदेश,
बिशप थामस व चाको ने की फादर आनंद के सकारात्मक सोच की सराहना

आत्मदर्शन के गॉस्पल सिंगर रियलिटी शो का भव्य ग्रैंड फिनाले संपन्न; 20 राज्यों की प्रतिभाओं ने बिखेरी सुरों की चमक,जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने कहा-अध्यात्मिकता का उद्देश्य है मानवता को जोड़ना

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com





संगीत केवल सुरों और स्वरों का समन्वय नहीं, बल्कि वह ऐसी सार्वभौमिक भाषा है, जो दिलों की दूरियां मिटाकर मनुष्य को मनुष्य से जोड़ती है। जब संगीत में आध्यात्मिकता, प्रेम, करुणा और ईश्वर के प्रति समर्पण का भाव जुड़ जाता है, तब वह केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहता, बल्कि आत्मा की अभिव्यक्ति और मानवता के संदेश का सशक्त माध्यम बन जाता है। इसी भावना को साकार करता हुआ आत्मदर्शन द्वारा आयोजित गॉस्पल सिंगर रियलिटी शो का भव्य ग्रैंड फिनाले 09 नवंबर 2026 को प्रेरणा सदन, आत्मदर्शन कैंपस, इंदौर में अत्यंत गरिमामय एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान के मुख्य आतिथ्य और बिशप थामस मैथ्यू और पूर्व बिशप चाको के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन में देश के 20 राज्यों से आए उभरते हुए गॉस्पल गायकों ने अपनी सुरमयी प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमुदाय को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में धर्म, समाज, शिक्षा, संस्कृति एवं विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट हस्तियों की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और ऊंचाई प्रदान की। लगभग 350 अतिथियों, जिनमें प्रोविंशियल, फादर्स, सिस्टर्स एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति सम्मिलित थे, ने इस आध्यात्मिक एवं सांगीतिक उत्सव के साक्षी बनकर इसकी शोभा बढ़ाई।

प्रतिभाओं का सम्मान, संगीत साधना को मिला प्रोत्साहन

प्रतियोगिता के परिणामों में श्री एंजेलो जेराल्ड (भोपाल) ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 1 लाख 50 हजार रुपये का पुरस्कार अर्जित किया। नेवल सैमुअल (आष्टा) द्वितीय स्थान पर रहे, जिन्हें 1 लाख रुपये तथा सनशाइन (ओडिशा) ने तृतीय स्थान प्राप्त कर 75 हजार रुपये का पुरस्कार हासिल किया। अन्य फाइनलिस्ट सुश्री विनीता (नागपुर), सुश्री क्रिस्टीना (मुंबई), सुश्री एंजेल (भोपाल) एवं सुश्री गोदावरी (छत्तीसगढ़) को भी उनकी उत्कृष्ट संगीत प्रतिभा के लिए 25-25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाज के प्रति अपने अनुकरणीय जीवन एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए श्री जोसेफ फ्रांसिस तथा क्रिश्चियन संगीत के क्षेत्र में अपनी अमूल्य सेवाओं के लिए सिस्टर पुष्पांजलि को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान केवल व्यक्तियों की उपलब्धियों का अभिनंदन नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और साधना की उस परंपरा का सम्मान था, जो समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करती है।

बिशप थॉमस मैथ्यू और पूर्व बिशप चाको का संदेश—आस्था के साथ सेवा और प्रेम ही जीवन की वास्तविक पहचान

कार्यक्रम में बिशप थॉमस मैथ्यू और पूर्व बिशप चाको ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में आध्यात्मिक जीवन के मूल तत्वों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ईश्वर के प्रति सच्ची आस्था केवल प्रार्थनाओं और





धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसका वास्तविक प्रतिबिंब हमारे व्यवहार, विचारों और दूसरों के प्रति हमारे प्रेम में दिखाई देना चाहिए। उन्होंने कहा कि संगीत मनुष्य के अंतर्मन को स्पर्श करने की अद्भुत शक्ति रखता है। जब संगीत के माध्यम से प्रेम, शांति, करुणा और सेवा का संदेश जन-जन तक पहुंचता है, तब वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बन जाता है। युवाओं की प्रतिभाओं को उचित मंच प्रदान करना और उन्हें अपनी क्षमताओं को पहचानने के लिए प्रेरित करना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान का प्रेरक उद्बोधन—आध्यात्मिकता का उद्देश्य है मानवता को जोड़ना

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने अपने संबोधन में कहा कि ईश्वर ने प्रत्येक व्यक्ति को कोई न कोई विशेष प्रतिभा प्रदान की है। आवश्यकता इस बात की है कि व्यक्ति अपनी प्रतिभा को पहचाने और उसका उपयोग स्वयं की उन्नति के साथ समाज एवं मानवता की भलाई के लिए करे। उन्होंने संगीत को आत्मिक शांति, सामूहिक एकता और आध्यात्मिक चेतना का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विभिन्न क्षेत्रों और पृष्ठभूमियों से आए लोगों को एक मंच पर लाकर परस्पर प्रेम, सम्मान और सहभागिता की भावना विकसित करते हैं। युवाओं को अपनी प्रतिभा के साथ विनम्रता, अनुशासन और सेवा का भाव भी जीवन में अपनाना चाहिए। जिला न्यायाधीश श्री खान ने राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस की शुभकामनाएं देकर नेशनल लोक अदालत के महत्व बताते हुए अपने सुमधुर भजन की प्रस्तुति से उपस्थित जनों का मन मोह लिया। उनके भजन और उद्बोधन ने कार्यक्रम को सांगीतिक आयोजन की सीमा से आगे बढ़ाकर न्यायिक संवेदना,सामाजिक समरसता, पारस्परिक सम्मान और राष्ट्रीय एकता के व्यापक संदेश से जोड़ दिया।

फादर आनंद का सेवा संदेश—जब ईश्वर की योजना को पहचान लेते हैं, तब चुनौतियां भी बन जाती हैं सफलता का मार्ग

आत्मदर्शन के निदेशक फादर आनंद ने अपने भावपूर्ण एवं प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि प्रत्येक मनुष्य का जीवन ईश्वर की एक विशेष योजना और उद्देश्य से जुड़ा हुआ है। जब व्यक्ति अपनी प्रतिभा और जीवन के उद्देश्य को पहचानकर पूरे विश्वास, समर्पण एवं सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ता है, तब जीवन की कठिनाइयां भी उसके लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलने लगती हैं। उन्होंने कहा कि गॉस्पल सिंगर रियलिटी शो का उद्देश्य केवल श्रेष्ठ गायकों का चयन करना अथवा विजेताओं को पुरस्कृत करना नहीं है, बल्कि देश के कोने-कोने में छिपी संगीत प्रतिभाओं को पहचानना, उन्हें प्रोत्साहित करना और संगीत के माध्यम से युवाओं को आध्यात्मिकता एवं सकारात्मक जीवन मूल्यों से जोड़ना है। उन्होंने इस आयोजन को आत्मदर्शन के उस व्यापक मिशन की अभिव्यक्ति बताया, जिसमें संगीत के माध्यम से मनुष्य के भीतर प्रेम, विश्वास, आशा और सेवा की भावना जागृत करने का प्रयास किया जा रहा है।

आत्मदर्शन की पहल बनी आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक एकता का सेतु

कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में युवाओं को सकारात्मक दिशाय देने, उनकी रचनात्मक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा समाज में प्रेम और सद्भाव की भावना विकसित करने वाले प्रयासों की विशेष आवश्यकता है। आत्मदर्शन का यह आयोजन इसी दिशा में एक सार्थक पहल के रूप में सामने आया, जहां देश के 20 राज्यों की प्रतिभाओं ने संगीत के माध्यम से अपनी पहचान बनाई और विभिन्न समुदायों के लोगों ने एक साथ बैठकर प्रेम, शांति और आध्यात्मिकता का अनुभव किया। कार्यक्रम का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि संगीत की वास्तविक सफलता उन दिलों में है, जिन्हें वह प्रेम, विश्वास और इंसानियत के एक सूत्र में बांध देता है।गीत-संगीत के सुर अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन जब वे एक साथ गूंजते हैं तो एक सुंदर संगीत बनता है। ठीक उसी तरह धर्म, भाषाएं और संस्कृतियां भले ही अलग हों, लेकिन जब उनमें प्रेम, सम्मान और इंसानियत का संगम होता है, तभी एक सुंदर समाज और मजबूत राष्ट्र का निर्माण होता है।आत्मदर्शन का गॉस्पल सिंगर रियलिटी शो इसी मानवीय संदेश की एक यादगार और प्रेरणादायी अभिव्यक्ति बनकर संपन्न हुआ।

दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, बुधवार 11 नवम्बर 2026

कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई संपन्न

अधिकारियों ने आमजन की समस्याएं सुनकर निराकरण के दिए निर्देश



इंदौर।प्रत्येक मंगलवार की तरह इस मंगलवार को भी कलेक्टर कार्यालय में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिले के नागरिकों ने उपस्थित होकर अपनी विभिन्न समस्याएं एवं शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखीं। अधिकारियों ने आवेदकों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और प्राप्त आवेदनों पर प्राथमिकता से कार्रवाई करते हुए निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में संबंधित विभागीय अधिकारियों को सभी आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में मुख्य रूप से प्लॉट एवं संपत्ति विवाद, पारिवारिक विवाद, चिकित्सा सहायता तथा रोजगार से संबंधित प्रकरण सामने आए। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पंवार सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में आमजनों की समस्याए सुनी

कलेक्टर ने जनसुनवाई में आमजनों की समस्याए सुनी और अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

धार। कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं एवं मांगों को गंभीरतापूर्वक सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस जनसुनवाई में कुल 16 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री मीना ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है तथा प्रत्येक आवेदन पर नियमानुसार प्रभावी कार्यवाही



सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए है कि जिन प्रकरणों में तत्काल कार्यवाही संभव है, उनमें त्वरित निराकरण किया जाए।

साथ ही ऐसे प्रकरण जिनमें अन्य विभागों से समन्वय की आवश्यकता हो, उनमें संबंधित विभागों से समन्वय कर आवेदकों को राहत प्रदान की जाए। उन्होंने लंबित आवेदनों की नियमित समीक्षा करने तथा निराकरण की स्थिति से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने के निर्देश भी दिए। इस साप्ताहिक जनसुनवाई में मुख्य रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, संबल योजना का लाभ दिलवाने, निजी भूमि पर अतिक्रमण करने, प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के मुख्य द्धार से शराब की दुकान हटाने, कृषि भूमि का कब्जा दिलवाने, नलजल पेयजल योजना का लाभ दिलवाने, डूब से मकान प्रभावित होने पर नवीन आवास की मांग, शासकीय भूमि को आबादी घोषित करने, आम रास्त से अतिक्रमण हटाने, ग्राम खेड़ी के तालाब के पैसे लेकर पानी छोड़ने, स्वयं की भूमि से कब्जा हटाने, नवीन राशन कार्ड बनाने सहित विभिन्न समस्याओं तथा मांगों संबंधी आवेदन प्राप्त हुए।

त्रि-स्तरीय पंचायत उप निर्वाचन-2026 के लिए

18 व्यवस्थाओं हेतु नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त

जनपद पंचायत सरदारपुर के निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक-1 दसाई में उप निर्वाचन की तैयारियों के लिए कलेक्टर ने जारी किया आदेश

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

धार। सचिव, मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग, भोपाल द्वारा जारी निर्वाचन कार्यक्रम के अनुक्रम में धार जिले की जनपद पंचायत सरदारपुर के निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक-1 (दसाई) में त्रि-स्तरीय पंचायत उप निर्वाचन-2026 को सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्री राजीव रंजन मीना ने विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए जिला स्तरीय नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेश के अनुसार निर्वाचन कार्य के प्रभावी संचालन के लिए अधिकारियों को अलग-अलग व्यवस्थाओं एवं दायित्वों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनमें मानव संसाधन प्रबंधन के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अखिलेश जैन को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इनके सहयोग के लिए जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी श्री अतुल कुमार चौधरी, जिला शिक्षा अधिकारी श्री पुष्पेन्द्रसिंह सरत्या तथा सांख्यिकी अधिकारी कृषि विभाग श्री कालुसिंह जमरे को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है।निर्वाचन प्रशिक्षण के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अखिलेश जैन एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती पारुल व्यास जैन को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स के रूप में शासकीय कन्या महाविद्यालय धार के प्राध्यापक श्री सुभाष कामदार, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धार के श्री भगवानसिंह पटेल, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 धार के श्री आशीष शर्मा, शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय धार के श्री अनुप मण्डलोई तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान धार के श्री कमलसिंह ठाकुर को नियुक्त किया गया है। मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाओं, प्रबंधन एवं मतदाता जागरूकता गतिविधियों के लिए भी श्री अखिलेश जैन को नोडल अधिकारी तथा संबंधित जनपद पंचायत क्षेत्र के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

भोजन, स्वल्पाहार एवं पीओएल व्यवस्था के लिए जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आनंद गोले को नोडल अधिकारी बनाया गया है। कानून व्यवस्था एवं आदर्श आचरण संहिता के पालन के लिए अपर कलेक्टर श्री राजीव केशव पाण्डेय को नोडल तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विजय डावर को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस एवं तहसीलदार को भी इस कार्य में दायित्व सौंपे गए हैं। परिवहन व्यवस्था, निर्वाचन सामग्री एवं रूट चार्ट प्रबंधन के लिए डिप्टी कलेक्टर सुश्री सलोनी अग्रवाल को नोडल अधिकारी बनाया गया है। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री हृदेश यादव एवं अधीक्षक भू-अभिलेख श्री राधेश्याम धाकड़ सहायक नोडल अधिकारी होंगे। संचार योजना के लिए भी सुश्री सलोनी अग्रवाल को नोडल तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री रामनिवास बुधोलिया को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। हेल्पलाइन एवं शिकायत निवारण का दायित्व जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रामनिवास बुधोलिया तथा प्रभारी सहायक संचालक श्री प्रवीण सिटोले को सौंपा गया है।ईवीएम प्रबंधन के लिए कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग श्रीमती बबीता सोनेकर (मालवीय) को नोडल अधिकारी तथा जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी श्री अतुल कुमार चौधरी एवं अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग श्री भास्कर मालवीय को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। वीडियोग्राफी एवं सीसीटीवी व्यवस्था के लिए महाप्रबंधक उद्योग विभाग श्री शैलेन्द्र चौहान को नोडल तथा प्रबंधक उद्योग विभाग श्री संदीप गेहलोद को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। मानदेय वितरण के लिए सहायक जिला पेंशन अधिकारी श्री दिनेश बघेल को नोडल तथा सहायक कोषालय अधिकारी श्री गजानंद कनासे को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है।

सेवा सेतु अभियान अन्तर्गत सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में शून्य प्रगति पर कलेक्टर ने की चार तहसीलदारों के विरुद्ध कार्यवाई

कार्य नहीं तो वेतन नहीं के आधार पर 02 दिवस के वेतन की कटौती किये जाने संबंधी आदेश जारी

रतलाम। राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले "सेवा सेतु अभियान - सरकार आपके द्वार" के तहत 03 अक्टूबर 2026 विकासखंड स्तर पर एवं 04 अक्टूबर 2026 को नगरीय क्षेत्र/जोन स्तर पर हितग्राहियों के कल्याण हेतु विशेष शिविरों का आयोजन किया गया था। उक्त अभियान की समीक्षा में तहसीलदार पिपलौदा, जावरा, बाजना, ताल की CM Helpline शिकायतों के लंबित प्रकरणों के निराकरण में पिछले 2 दिनों से शून्य (Zero) प्रगति होने से श्री निर्भयसिंह पटेल, तहसीलदार, तहसील ताल, श्री देवेन्द्र कुमार दानगढ़, तत्कालीन तहसीलदार तहसील बाजना वर्तमान रतलाम शहर, श्री पंकज पवैया तहसीलदार तहसील जावरा, श्रीमती पिंकी साठे तहसीलदार तहसील पिपलोदा के विरूद्ध कार्य नहीं तो वेतन नहीं (No Work No Pay) के सिद्धांत के आधार पर 02 दिवस के वेतन की कटौती किये जाने संबंधी आदेश जारी किया गया।

अवैध मदिरा के कारोबार में संलिप्त राजाराम के विरुद्ध कलेक्टर ने की जिलाबदर की कार्रवाई

6 माह के लिए रतलाम सहित 5 समीपवर्ती जिलों की राजस्व सीमाओं से निष्कासित करने के आदेश जारी

रतलाम। जिले में अवैध मदिरा के कारोबार पर अंकुश लगाने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री अजय कटेसरिया ने मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 के तहत राजाराम पिता रामचन्द्र जाट निवासी ग्राम रघुनाथगढ़, थाना नामली के विरुद्ध जिलाबदर का आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार राजाराम को 6 माह की अवधि के लिए रतलाम जिले की संपूर्ण राजस्व सीमाओं के साथ समीपवर्ती उज्जैन, आगर, धार, झाबुआ एवं मंदसौर जिलों की राजस्व सीमाओं से निष्कासित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा अवैध शराब के कारोबार में बार-बार संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों एवं आदतन अपराधियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई का उद्देश्य अवैध मदिरा के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाना तथा मिलावटी एवं विषाक्त मदिरा से होने वाली जनहानि को रोकना है।

प्रदूषण का वार, घर में हरियाली का कवच

हवा की गुणवत्ता खराब होने पर ये 5 पौधे घर की हरियाली बढ़ाने में मददगार

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

दिवाली के बाद कई शहरों में प्रदूषण बढ़ने से सांस और आंखों से जुड़ी परेशानियां बढ़ सकती हैं।

ऐसे में बाहर निकलते समय सावधानी के साथ घर के अंदर धूल-धुआं कम रखना भी जरूरी है। घर में पौधे लगाना वातावरण को बेहतर



बनाने की कोशिश का एक हिस्सा हो सकता है। घर में स्नेक प्लांट, मनी प्लांट, एरेका पाम, स्पाइडर प्लांट और एलोवेरा जैसे पौधे लगाए जा सकते हैं। ये पौधे घर की हरियाली बढ़ाने के साथ वातावरण को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

हालांकि सिर्फ पौधों को वायु प्रदूषण का समाधान नहीं माना जा सकता। खिड़कियों से आने वाली धूल, धुआं और बाहरी प्रदूषण को कम करना, नियमित सफाई रखना और जरूरत पड़ने पर वायु शुद्ध करने वाले उपकरण का इस्तेमाल ज्यादा प्रभावी उपाय हो सकता है। प्रदूषण अधिक होने पर बाहर निकलते समय उचित मास्क पहनें और सांस संबंधी परेशानी होने पर चिकित्सक की सलाह लें।

ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर क्या है?

इस प्रकार के कैंसर में हार्मोन रिसेप्टर और एचईआर2 की जांच नकारात्मक आती है

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

ब्रेस्ट कैंसर कई प्रकार का होता है और ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर उनमें से एक है। इसमें कैंसर कोशिकाओं में एस्ट्रोजन रिसेप्टर, प्रोजेस्टेरोन रिसेप्टर और एचईआर2 प्रोटीन नहीं पाए जाते। इसी वजह से इसे ट्रिपल नेगेटिव कहा जाता है। यह अन्य कुछ प्रकार के ब्रेस्ट कैंसर से अलग होता है, क्योंकि हार्मोन आधारित उपचार और एचईआर2 को निशाना बनाने वाली दवाएं इसमें सामान्यतः प्रभावी नहीं होतीं। उपचार का चुनाव कैंसर की अवस्था, मरीज की स्थिति और जांच रिपोर्ट के आधार पर किया जाता है। इसमें कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी या अन्य उपचार



विकल्पों पर चिकित्सक निर्णय ले सकते हैं। स्तन में गांठ, आकार या त्वचा में बदलाव, निप्पल से असामान्य स्राव या लगातार दर्द जैसे बदलावों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हर गांठ कैंसर नहीं होती, लेकिन किसी भी असामान्य बदलाव की चिकित्सकीय जांच जरूरी है। समय पर जांच और सही उपचार से बीमारी को बेहतर तरीके से नियंत्रित करने की संभावना बढ़ती है।

प्रदूषण से बच्चों के फेफड़ों पर बड़ा खतरा

लगातार खांसी और सांस फूलना दिखे तो लापरवाही न करें

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

वायु प्रदूषण का असर बच्चों के फेफड़ों पर बड़ों की तुलना में ज्यादा पड़ सकता है। बच्चों के फेफड़े अभी विकसित हो रहे होते हैं और उनकी सांस लेने की गति भी अधिक होती है। ऐसे में प्रदूषित हवा के महीन कण सांस के साथ शरीर के अंदर ज्यादा पहुंच सकते हैं। प्रदूषण के कारण बच्चों में खांसी, घरघराहट, सांस फूलना और गले में जलन जैसी शिकायतें बढ़ सकती हैं। दमा से पीड़ित बच्चों में परेशानी और गंभीर हो सकती है। बचाव के लिए प्रदूषण अधिक होने पर बच्चों को अनावश्यक रूप से बाहर न भेजें।



खासकर सुबह और शाम की खराब हवा में बाहरी गतिविधियां सीमित रखें। घर में धूम्रपान बिल्कुल न करें और धूल-धुएं से बच्चों को दूर रखें। अगर बच्चे को लगातार खांसी, तेज सांस, सांस लेने में परेशानी, सीने में जकड़न या होंठ नीले पड़ने जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत चिकित्सकीय मदद लें। बच्चों को बिना सलाह के कोई दवा न दें।

नवंबर में घर की बालकनी को बनाएं फूलों का बगीचा

सिर्फ 20-30 में मिलेंगे सर्दियों में खिलने वाले 5 खूबसूरत पौधे

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

नई दिल्ली। नवंबर का महीना शुरू होते ही मौसम में हल्की ठंडक महसूस होने लगती है। सुबह और शाम की गुलाबी ठंड के बीच गुनगुनी धूप का आनंद हर किसी को पसंद आता है। यह मौसम गार्डनिंग के शौकीनों के लिए भी बेहद खास होता है। अगर आप चाहते हैं कि सर्दियों में आपका घर, छत या बालकनी रंग-बिरंगे फूलों से महकती रहे, तो नवंबर का महीना पौधे लगाने के लिए अच्छा समय है। खास बात यह है कि इसके लिए आपको हजारों रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं है। आसपास की लोकल नर्सरी में कई ऐसे फूलों के पौधे मिल जाते हैं, जिनकी छोटी सैपलिंग 20 से 30 रुपये में खरीदी जा सकती है। इन पौधों को थोड़ी-सी देखभाल, सही धूप और समय पर पानी देकर आप पूरे सर्दियों के मौसम में खूबसूरत फूलों का आनंद ले सकते हैं।

आजकल घरों में गार्डनिंग का शौक तेजी से बढ़ रहा है। कोई अपनी छत पर छोटा गार्डन तैयार कर रहा है, तो कोई बालकनी में गमलों के जरिए हरियाली बढ़ा रहा है। लेकिन कई लोग पौधों की कीमत और उनकी देखभाल को लेकर परेशान रहते हैं। ऐसे में कम कीमत वाले मौसमी फूलों के पौधे बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे पांच खूबसूरत फूलों के बारे में, जिन्हें नवंबर में लगाकर आप अपने घर को सर्दियों में रंगों से भर सकते हैं।

सर्दियों के मौसम में गेंदा सबसे लोकप्रिय फूलों में से एक है। इसके पीले, नारंगी और सुनहरे रंग के फूल घर के गार्डन को बेहद आकर्षक बना देते हैं। गेंदा का पौधा आसानी से मिल जाता है और इसकी देखभाल करना भी ज्यादा मुश्किल नहीं है। लोकल नर्सरी में इसकी छोटी पौध लगभग 20 से 30 रुपये में मिल सकती है।

गेंदा लगाने के लिए ऐसी जगह चुनें, जहां रोजाना कम से कम 5 से 6 घंटे धूप आती हो। इसके लिए सामान्य बगीचे की मिट्टी में थोड़ी कंपोस्ट खाद मिलाकर गमले में भरें। मिट्टी में नमी बनाए रखें, लेकिन जरूरत से ज्यादा पानी न डालें। समय-समय पर सूखे फूलों को हटाते रहें। इससे पौधे पर नए फूल आने में मदद मिलती है। गेंदा के पौधे पूजा, सजावट और घर की सुंदरता बढ़ाने के लिए भी काफी उपयोगी हैं।

अगर आप अपनी बालकनी को रंग-बिरंगे फूलों से सजाना चाहते हैं, तो पेटूनिया का पौधा अच्छा विकल्प है। इसके फूल गुलाबी, बैंगनी, सफेद, लाल और कई अन्य आकर्षक रंगों में मिलते हैं। पेटूनिया खासतौर पर ठंडे मौसम में अच्छी तरह बढ़ता है और गमलों के साथ-साथ हैंगिंग बास्केट में भी खूबसूरत दिखाई देता है।

इस पौधे को ऐसी जगह रखें जहां पर्याप्त धूप मिल सके। इसके लिए पानी निकासी वाला गमला इस्तेमाल करना बेहतर रहता है। मिट्टी में पानी जमा होने से जड़ों को नुकसान पहुंच सकता है। नियमित रूप से हल्का पानी दें और सूखे फूलों को हटाते रहें। अच्छी देखभाल मिलने पर पेटूनिया लंबे समय तक फूल देता है और आपकी बालकनी को मिनी गार्डन जैसा लुक दे सकता है। कैलेंडुला सर्दियों में खिलने वाला बेहद खूबसूरत फूल है। इसे पॉट मैरीगोल्ड के नाम से भी जाना जाता है। इसके पीले और नारंगी रंग के फूल देखने में काफी आकर्षक होते हैं। नवंबर में इसकी पौध लगाना अच्छा विकल्प हो सकता है। यह पौधा छोटे गमलों और खुले गार्डन दोनों में लगाया जा सकता है।

कैलेंडुला को बढ़ने के लिए पर्याप्त धूप और उपजाऊ मिट्टी की जरूरत होती है। गमले में मिट्टी के साथ थोड़ी जैविक खाद मिलाएं। ध्यान रखें कि मिट्टी पूरी तरह सूखने न पाए, लेकिन उसमें पानी भी जमा नहीं होना चाहिए। पौधे पर सूखे फूल दिखाई देने पर उन्हें हटा दें। इससे नए फूल आने की संभावना बढ़ती है। कम जगह में भी यह पौधा आसानी से लगाया जा सकता है।

सर्दियों के गार्डन को आकर्षक बनाने के लिए पैंसी भी एक शानदार विकल्प है। इसके फूलों की खासियत इनके अलग-अलग रंग और चेहरे जैसी दिखाई देने वाली पंखुड़ियां हैं। बैंगनी, पीले, सफेद और नीले रंगों में मिलने वाले ये फूल गमलों में बेहद खूबसूरत लगते हैं।

पैंसी ठंडे मौसम में अच्छी तरह बढ़ता है। इसे ऐसी जगह रखना चाहिए जहां हल्की से पर्याप्त धूप मिले। बहुत ज्यादा गर्मी और तेज दोपहर की धूप से इसे बचाना बेहतर रहता है। इसके लिए अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी का इस्तेमाल करें और जरूरत के अनुसार पानी दें। पौधे के आसपास सूखी पत्तियों को हटाते रहें। सही देखभाल मिलने पर पैंसी सर्दियों में लगातार फूलों से गमले को सजाए रख सकता है।

दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, बुधवार 11 नवम्बर 2026

विश्व टीकाकरण दिवस पर नड्डा का संकल्प

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने विश्व टीकाकरण दिवस पर देश में हर बच्चे और गर्भवती महिला के पूर्ण टीकाकरण का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि टीकाकरण गंभीर बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है और सरकार का लक्ष्य है



कि कोई भी बच्चा या गर्भवती महिला आवश्यक टीकों से वंचित न रहे। नड्डा ने स्वास्थ्य तंत्र से टीकाकरण अभियान को और मजबूत करने तथा दूरदराज के क्षेत्रों तक सेवाएं पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने अभिभावकों से भी बच्चों के निर्धारित टीके समय पर लगवाने की अपील की। सरकार ने नियमित टीकाकरण को मजबूत बनाने के साथ जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया है।

शेख हसीना की वापसी की तैयारी, दिल्ली में नए पासपोर्ट की मांग

दिसंबर में ढाका लौटने की योजना, वकीलों ने बांग्लादेश उच्चायोग को भेजा पत्र



विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने स्वदेश वापसी की तैयारी तेज कर दी है। उनके लंदन स्थित वकीलों ने नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग से नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करने का अनुरोध किया है। यह कदम हसीना की दिसंबर में बांग्लादेश लौटने की घोषित योजना के बीच उठाया गया है। हसीना के पुराने पासपोर्ट और पहचान पत्र रद्द किए जाने की खबरों का हवाला देते हुए वकीलों ने नए दस्तावेज जारी करने की मांग की है। उच्चायोग ने अनुरोध ढाका भेज दिया है। हालांकि, बांग्लादेश सरकार ने उनकी वापसी के लिए प्रत्यर्पण संधि का रास्ता अपनाने पर जोर दिया है। हसीना 2024 में सत्ता से हटने के बाद भारत में रह रही हैं। उनके खिलाफ बांग्लादेश में गंभीर कानूनी मामले चल रहे हैं और उन्हें अनुपस्थिति में मृत्युदंड भी सुनाया जा चुका है।

नजरें चुराते हैं मोदी?

सोनिया गांधी की किताब में रिश्तों का खुलासा

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

उद्घाटन के साथ ही सोनिया गांधी की आत्मकथा 'Belonging: A Journey of Love' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर लिखी गई बातें चर्चा में हैं। सोनिया गांधी के मुताबिक, दोनों के बीच वर्षों की राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के बावजूद लगभग कोई व्यक्तिगत बातचीत नहीं हुई।

उन्होंने लिखा कि औपचारिक मुलाकातों में दोनों एक-दूसरे को नमस्कार करते हैं, लेकिन उनके दावे के अनुसार मोदी आमने-सामने होने पर नजरें फेर लेते हैं और आंखों से संपर्क से बचते हैं। अस्पताल से लौटने पर मोदी ने कभी-कभी उनकी तबीयत भी पूछी। सोनिया ने मोदी और अपने बीच का अंतर व्यक्तिगत नहीं, बल्कि भारत को लेकर दो अलग-अलग विचारधाराओं का संघर्ष बताया। उन्होंने मोदी की राजनीतिक सोच को आरएसएस की विचारधारा से प्रभावित बताते हुए समावेशी, धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय आधारित भारत की अपनी अवधारणा से अलग बताया।



संसद में मोदी की भाषा

नेहरू पर हमलों और भाजपा के 'कांग्रेस-मुक्त भारत' के नारे पर भी तीखी टिप्पणी की है। साथ ही मोदी के आरएसएस के भीतर संघर्ष से ऊपर उठकर सत्ता तक पहुंचने की बात भी स्वीकार की।

जयशंकर-लावरोव की फोन पर अहम बातचीत

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने सोमवार शाम रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच यूक्रेन संघर्ष, उसे समाप्त करने के लिए जारी कूटनीतिक प्रयासों और भारत-रूस संबंधों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बातचीत ऐसे समय हुई है, जब रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति की कोशिशें लगातार जारी हैं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस बातचीत की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों ने यूक्रेन संघर्ष और मौजूदा राजनयिक प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। बातचीत में संघर्ष की मौजूदा स्थिति और उसे समाप्त करने के लिए किए जा रहे कूटनीतिक प्रयास प्रमुख मुद्दे रहे।



वहीं, रूसी पक्ष की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, दोनों विदेश मंत्रियों ने भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा की। इसके अलावा क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

गौरतलब है कि भारत लगातार रूस और यूक्रेन दोनों के साथ अपने राजनयिक संपर्क बनाए हुए है। भारत का रुख शुरू से ही बातचीत और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान निकालने पर केंद्रित रहा है।

इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फोन पर बातचीत की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

एक ही दिन रूस और यूक्रेन, दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के साथ भारत का संपर्क उसकी संतुलित विदेश नीति और सक्रिय कूटनीतिक भूमिका को दर्शाता है। भारत लगातार इस बात पर जोर देता रहा है कि युद्ध का समाधान सैन्य कार्रवाई के बजाय संवाद और कूटनीति के जरिए निकाला जाना चाहिए। इस घटनाक्रम को अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की शांति प्रयासों में सक्रिय भागीदारी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

खड़की–जयपुर, बांद्रा टर्मिनस–खातीपुरा और अहमदाबाद–राजगीर के बीच होगा विशेष ट्रेनों का संचालन, यात्रियों को मिलेगी राहत

दीपावली और शीतकालीन सीजन में रेलवे की सौगात, रतलाम मंडल से गुजरेंगी तीन स्पेशल ट्रेनें

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

रतलाम। दीपावली एवं शीतकालीन त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ और अतिरिक्त यात्रा मांग को देखते हुए पश्चिम रेलवे ने यात्रियों को राहत देने के लिए तीन विशेष ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। ये तीनों ट्रेनें रतलाम मंडल से होकर गुजरेंगी, जिससे रतलाम सहित आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इनमें दो साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें विशेष किराये पर तथा एक अनारक्षित स्पेशल ट्रेन शामिल है।पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार खड़की-दुर्गापुरा-जयपुर, बांद्रा टर्मिनस-खातीपुरा तथा अहमदाबाद-राजगीर के बीच विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाएगा।

खड़की–दुर्गापुरा–जयपुर साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 09714 खड़की–दुर्गापुरा स्पेशल 15 नवंबर 2026 रविवार को रात 12.50 बजे खड़की से रवाना होकर रतलाम मंडल के रतलाम स्टेशन पर रविवार शाम 4 बजे पहुंचेगी तथा 4.10 बजे रवाना होकर अगले दिन रात 12.30 बजे दुर्गापुरा पहुंचेगी। वहीं ट्रेन संख्या 09713 जयपुर–खड़की स्पेशल 13 नवंबर शुक्रवार को रात 10.30 बजे जयपुर से रवाना होकर शनिवार सुबह 7.30 बजे रतलाम पहुंचेगी तथा 7.40 बजे प्रस्थान कर अगले दिन रात 10.30 बजे खड़की पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में यह ट्रेन लोनावला, पनवेल, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर एवं दुर्गापुरा स्टेशनों पर ठहरेगी। ट्रेन में एसी द्वितीय श्रेणी, एसी तृतीय श्रेणी, स्लीपर एवं सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच रहेंगे।



बांद्रा टर्मिनस–खातीपुरा साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 09718 बांद्रा टर्मिनस–खातीपुरा स्पेशल 12 नवंबर गुरुवार को शाम 4.30 बजे बांद्रा टर्मिनस से रवाना होगी।

यह ट्रेन शुक्रवार सुबह 5.40 बजे रतलाम पहुंचेगी तथा 5.50 बजे रवाना होकर मंदसौर सुबह 6.55 बजे और नीमच सुबह 7.45 बजे पहुंचेगी। इसके बाद चित्तौड़गढ़ सुबह 8.45 बजे पहुंचकर 8.50 बजे रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 3.05 बजे खातीपुरा पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09717 खातीपुरा–बांद्रा टर्मिनस स्पेशल 11 नवंबर बुधवार को दोपहर 3.15 बजे खातीपुरा से रवाना होगी। यह ट्रेन चित्तौड़गढ़ रात 10.35 बजे, नीमच रात 11.40 बजे, मंदसौर अगले दिन रात 1.10 बजे तथा रतलाम सुबह 3.20 बजे पहुंचेगी। रतलाम से 3.30 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 3.15 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में ट्रेन का ठहराव बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ़ एवं जयपुर स्टेशनों पर रहेगा। इसमें एसी द्वितीय, एसी तृतीय, स्लीपर एवं सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच उपलब्ध रहेंगे।

अहमदाबाद–राजगीर अनारक्षित स्पेशल से भी मिलेगी सुविधा

यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 09427/09428 अहमदाबाद–राजगीर अनारक्षित स्पेशल का भी संचालन किया जा रहा है। ट्रेन संख्या 09427 अहमदाबाद–राजगीर स्पेशल मंगलवार को अहमदाबाद से रात 12.55 बजे रवाना होकर मंगलवार सुबह 4.48 बजे दाहोद पहुंचेगी तथा 4.50 बजे रवाना होकर सुबह 6.10 बजे रतलाम पहुंचेगी। यहां से 6.15 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 11.45 बजे राजगीर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 09428 राजगीर–अहमदाबाद स्पेशल 11 नवंबर बुधवार को दोपहर 2.45 बजे राजगीर से रवाना होगी। यह ट्रेन गुरुवार शाम 6.13 बजे रतलाम पहुंचेगी तथा 6.18 बजे रवाना होकर दाहोद होते हुए अगले दिन रात 11.25 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में आणंद, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, हिण्डौन सिटी, बयाना, ईदगाह आगरा, टूंडला, गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पटना, पटना साहिब, बख्तियारपुर, बिहार शरीफ एवं नालंदा स्टेशनों पर ठहरेगी।

रेलवे ने यात्रियों से की अपील

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व ट्रेनों के ठहराव, समय-सारणी एवं वास्तविक परिचालन स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें। इसके लिए भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in तथा RailOne ऐप का उपयोग किया जा सकता है। इन विशेष ट्रेनों के संचालन से त्योहारों के दौरान यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा विकल्प उपलब्ध होंगे और नियमित ट्रेनों पर भीड़ का दबाव कम करने में मदद मिलेगी।

15 लाख जमा, हर महीने 9,250 की आय!

डाकघर की मासिक आय योजना में निवेश से पहले ब्याज, सीमा और नियम जरूर समझें

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

डाकघर मासिक आय योजना नियमित आय चाहने वाले निवेशकों के लिए एक विकल्प है। दिए गए विवरण के अनुसार, संयुक्त खाते में 15 लाख रुपये जमा करने पर 7.4 प्रतिशत सालाना ब्याज की दर से करीब 9,250 रुपये मासिक ब्याज बनता है।

इस योजना में ब्याज का भुगतान हर महीने किया जाता है, जबकि मूलधन योजना की अवधि पूरी होने पर वापस मिलता है। हालांकि ब्याज दर सरकार समय-समय पर तय करती है, इसलिए निवेश से पहले मौजूदा दर की पुष्टि करना जरूरी है। निवेश की अधिकतम सीमा, खाता खोलने की शर्तें, समय से पहले बंद करने के नियम और कर संबंधी प्रावधान भी समझ लें। ब्याज पर लागू कर व्यवस्था के कारण हाथ में मिलने वाली वास्तविक राशि अलग हो सकती है।

निवेश करने से पहले डाकघर से वर्तमान नियमों और ब्याज दर की पुष्टि करें। केवल तय मासिक आय देखकर निवेश का फैसला न लें; अपनी जरूरत, अवधि और जोखिम क्षमता भी ध्यान में रखें।

टेक अरबपतियों की निजी जिंदगी भी रही सुर्खियों में

जेनसेन हुआंग से एलन मस्क तक, कारोबार के साथ रिश्तों को लेकर भी चर्चा

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

टेक जगत के दिग्गजों की पहचान आमतौर पर उनके कारोबार, कंपनियों और अरबों डॉलर की संपत्ति से होती है, लेकिन कई बार उनकी निजी जिंदगी भी दुनियाभर में सुर्खियां बटोरती रही है। जेनसेन हुआंग का नाम भी हाल में ऐसी चर्चाओं के बीच सामने आया है।

टेक उद्योग में इससे पहले जेफ बेजोस, एलन मस्क और अन्य चर्चित अरबपतियों की निजी जिंदगी और रिश्तों को लेकर सार्वजनिक चर्चा होती रही है। इन मामलों ने कारोबार से अलग उनकी व्यक्तिगत जिंदगी को भी लोगों की नजरों में ला दिया। हालांकि किसी व्यक्ति के निजी रिश्तों से जुड़ी खबरों में अफवाह और तथ्य के बीच अंतर करना जरूरी है। सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं को बिना विश्वसनीय पुष्टि के सच मानना जोखिम भरा हो सकता है। अरबपतियों की निजी जिंदगी जितनी आकर्षक लगती है, उतनी ही विवादों से घिरी भी रहती है।

कारोबार की दुनिया में उनकी सफलता के साथ उनके व्यक्तिगत फैसले भी अक्सर सार्वजनिक बहस का हिस्सा बन जाते हैं।

....हिंगोट युद्ध....

उस हिंगोट युद्ध को देख कर लौटते हुए बाकी पत्रकारों में बस में ही पिटने से बच गया था !



कीर्ति राणा
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

हर साल इंदौर जिले के गौतमपुरा (देपालपुर) में होने वाले हिंगोट युद्ध के साथ ही मुझे उस हिंगोट युद्ध की याद आ ही जाती है। घटना थी ही ऐसी जब बाकी पत्रकार साथियों से मारपीट करने वाले युवकों ने मुझे भी पीटने की अपेक्षा अलग खड़ा कर दिया था।





»» हुआ यूं कि संपादक श्रवण गर्ग जी ने मुझे केबिन में बुलाया और कहा कि कल गौतमपुरा में हिंगोट युद्ध है, प्रेस क्लब से गाड़ी जा रही है तुम भी कवर करने चले जाओ। मेरे चेहरे के हावभाव उन्होंने पढ़ लिये थे, तुरंत बोले देख लो तुम्हारी इच्छा हो तो जाना। मैंने कहा सर, चले जाऊंगा। प्रेस क्लब से हम पांच पत्रकार मित्र अगली शाम कार से रवाना हुए। हिंगोट युद्ध कवर कर के लौट रहे थे कि गांधीनगर के समीप सड़क से तेज रफ्तार वाले मोटर साइकिल सवार युवकों की कटबाजी से कार हल्की सी टकरा गई। हमारी कार आगे थी, पीछा कर रहे उन युवकों ने बिजासन के आसपास कार घेर ली। हमारा ड्रायवर नीचे उतरा तो उसके साथ मारपीट करने लगे। बीचबचाव करने के लिये हम सब नीचे उतरे, हम लोगों से भी बहस होने लगी, इसी बीच युवकों की उस टोली में से एक युवक ने मुझे हाथ पकड़ कर 'भिया आप अलग हट जाओ' कहते हुए दूर खींचा और उसके अन्य साथियों ने बाकी पत्रकारों के कुटावड़े शुरु कर दिए और फिर बाइक पर छू मंतर हो गए।

कुटे-पिटे हम पत्रकार मित्र मल्हारगंज थाने पहुंचे उनकी बाइक के नंबर नोट थे, रिपोर्ट लिखाने के साथ ही लाल अस्पताल में मरहम पट्टी कराई।अब कार थाने से रवाना हुई तो बाकी पत्रकार मित्रों की एक ही जिज्ञासा थी कि राणाजी, आप को छुआ तक नहीं, अलग क्यों खड़ा कर दिया?

जवाब मेरे पास भी नहीं था, मैं ग्लानि महसूस कर रहा था कि दोस्त लोग सोच रहे होंगे पिटाई कांड मेरी रची साजिश होगी। मामला पत्रकारों से जुड़ा था इसलिये पुलिस भी कुछ ज्यादा ही हरकत में थी। घटना के दो-तीन दिन बाद मुझे सुबह सुबह घर पर फोन (तब मोबाइल नहीं थे) आया कि भिया आप से मिलना है, मैंने पूछा हो कौन, तो जबाव मिला भिया वो बिजासन रोड पर जो झगड़ा हुआ था ना, मैंने आप को अलग खड़ा कर दिया था ना, मैं वही हूं।क्यों मिलना चाहते हो, उसका कहना था हम नगर निगम में मस्टरकर्मी है, गिरफ्तारी हो जाएगी तो नौकरी पर बात आ जाएगी। मेरे लिये चौंकना स्वाभाविक था, मैंने कहा प्रेस क्लब आ जाओ, सब से बात कर के बताऊंगा। प्रेस क्लब में संबंधित साथियों को बताया कि जिन लोगों ने मारपीट की थी वो काम्प्रोमाइज के लिये मिलना चाहते हैं, उन की नौकरी पर बात आ गई है। साथियों का बड़प्पन था कि वो सब राजी हो गए। जब वो सारे युवक प्रेस क्लब पहुंचे तो मित्रों ने उनसे पहला प्रश्न यही किया कि राणाजी को क्यो अलग कर दिया, इन्हें हाथ क्यों नहीं लगाया? उन युवकों में से एक ने रहस्योद्घाटन किया राणाजी हमारे जीत बहादुर राठौड़ के उठावने में गांधी नगर आए थे। इन्हें हम पहचानते थे इसलिये इन्हें अलग खड़ा कर दिया था।उन युवकों ने प्रेस क्लब साथियों से माफी मांगी और रवाना कर दिया।

अब पत्रकार मित्र मुझ से पूछ रहे थे जीत बहादुर के उठावने का क्या मामला है?

मैंने बताया खेल संगठनों से जुड़े जीत बहादुर की शक्कर बाजार में जैन मंदिर के नीचे ओटले पर छोटी सी सोना-चांदी की दुकान थी, सराफा जाने पर जीतू की दुकान पर भी कट पीने के लिये रुक जाता था।

उसके निधन पश्चात उठावना एयरपोर्ट के सामने गांधी नगर स्थित निवास पर होने की जानकारी लगने पर मैं उठावने में शामिल होने गया था। मकान की तलाश में रोड किनारे स्थित पान की गुमटी पर जीतू का पता पूछा, वहां खड़े युवकों में से एक ने साथ चल कर वहां पहुंचाया था। इस युवक को पता था, जीतू भिया का फ्रेंड हूं।

मारपीट करने वाले युवकों में यह युवक भी शामिल था। इसलिये उस ने मुझे कार से उतरते वक्त ही पहचान लिया था और मुझे अलग खड़ा कर दिया था। अभी पिछले साल जब मेरी किताब 'किस्से कलमगिरी के' का विमोचन हुआ था तब संचालन कर रहे भाई संजय पटेल ने शवयात्रा, उठावने, शोक सभा में मेरी सामाजिक सक्रियता का जिक्र करते हुए कहा भी था शहर में जो कुछ पत्रकार हर जगह नजर आते हैं उनमें कीर्ति भाई भी हैं।

भारत-लेबनान संवाद को नई रफ्तार

व्यापार, निवेश, डिजिटल ढांचा और दवा उद्योग सहयोग के केंद्र में

नई दिल्ली। भारत और लेबनान ने पहली विदेश कार्यालय वार्ता में द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करते हुए सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया।

नई दिल्ली में हुई बैठक

राजनीतिक-सुरक्षा, आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों देशों ने व्यापार एवं निवेश, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और दवा उद्योग को प्राथमिकता वाले क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया। साथ ही क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ।



बैठक की सह-अध्यक्षता

भारत की विदेश मंत्रालय सचिव श्रीप्रिया रंगनाथन और लेबनान के विदेश एवं प्रवासी मंत्रालय के महासचिव अब्देल सत्तार ईसा ने की। भारत और लेबनान के बीच यह पहली विदेश कार्यालय वार्ता है। दोनों पक्षों ने नियमित संवाद के जरिए आपसी साझेदारी को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई।

पटाखों पर दिल्ली में खर्च हुए 300 करोड़!

नई दिल्ली। दिवाली के दौरान दिल्ली में पटाखों की बिक्री ने कारोबारियों को बड़ा मुनाफा दिया। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के अनुमान के मुताबिक, इस दिवाली सीजन में दिल्ली में करीब 300 करोड़ रुपये के पटाखे बिके। कई व्यापारियों का दावा है कि दिवाली से एक दिन पहले ही उनका अधिकांश स्टॉक खत्म हो गया था। पटाखों की भारी बिक्री के बीच राजधानी की हवा की गुणवत्ता को लेकर भी चिंता बढ़ी। विशेषज्ञ लंबे समय से पटाखों के धुएं को वायु प्रदूषण बढ़ाने वाला प्रमुख कारक बताते रहे हैं। इसका सबसे ज्यादा असर बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारी से जूझ रहे लोगों पर पड़ सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक संदीप परमार द्वारा उदयरत्न ऑफसेट 170/2, दारू गोडाउन के आगे, आगर रोड, उज्जैन से मुद्रित एवं 215, सोमानी नगर, एयरपोर्ट 60 फीट रोड, इंदौर (म.प्र.) 452005 से प्रकाशित।
सनातन दत्दी (स्थानीय संपादक)/ उत्कर्ष जैन-(जीवन डोडिया-9926084685) RNI No. MPHIN/25/A4357- (सभी विवादों का क्षेत्र इंदौर रहेगा)- (नोट : पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)-मो. 7000928755 E-mail:- vishwanathsamachar@gmail.com